संपूर्ण क्रांति स्वर्ण जयंती
(1974-2024)

दर्प दलन



इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स यूनियन

आयोजक

परामर्श समिति



श्री रविंद्र किशोर सिन्हा
अध्यक्ष, आयोजन समिति



श्री सत्यनारायण
अध्यक्ष, हिन्दी प्रगति समिति बिहार



स्व॰ सुशील कुमार मोदी
पूर्व उप मुख्यमंत्री, बिहार



श्री अश्विनी कुमार चौबे
पूर्व केंद्रीय मंत्री



डॉ॰ सुखदा पाण्डेय
पूर्व मंत्री, बिहार सरकार



डॉ॰ किरण धई
पूर्व विधान पार्षद

आयोजन समिति



डॉ॰ मधु वर्मा
उपाध्यक्ष, आयोजन समिति



प्रेम रंजन पटेल
अध्यक्ष, स्वागत समिति



संदीप स्नेह
संयोजक



मनोज सेठी
उपाध्यक्ष,आयोजन समिति



वंदना सिन्हा
सचिव, संयोजक समिति

कार्यकारणी समिति



जे बी सिंह
अध्यक्ष, IHRU



राजेश श्रीवास्तव
उपाध्यक्ष, IHRU



पी के गुप्ता
उपाध्यक्ष IHRU



विवेक उपाध्याय
ट्रस्टी, IHRU



के एस भाटी
लीगल सेल



मंजू सक्सेना
महिला सेल



मोना स्नेह
सदस्य



सुबर्ना कुमार
सदस्य



संजय अग्रवाल
सदस्य



सुयश
स्मारिका संपादक



संजीव कुमार कर्ण
सदस्य



सुनील सोनी
सदस्य

महासचिव की कलम से

मान्यवर,



संपूर्ण क्रांति स्वर्ण सताब्दी समारोह 2024 का आयोजन हमारे लिए गर्व का विषय हैं । भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण की अगुआई में **संपूर्ण क्रांति** का जयघोष किया गया था, जिसमें आम जनता के अधिकारों के लिए आम लोगो ने लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई तत्कालीन सरकार की निरंकुश प्रवृति और दमनकारी नीतियों के विरोध में हल्ला बोला था । संपूर्ण क्रन्ति का मुख्य नारा **"हमला चाहे जैसा होगा हाथ हमारा नही उठेगा"**; **सम्पूर्ण क्रांति अब नारा है, भावी इतिहास हमारा है"** और **"जुल्म का चक्कर और तबाही कितने दिन कितने दिन, यह लाठी गोली बन्दुक सिपाही कितने दिन कितने दिन", "हर जोर जुल्म के चक्कर में संघर्ष हमारा नारा है"** शहर की दीवारों पर लिखा मिलता था ।

तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गाँधी आपातकाल घोषित कर चुकी थी । सरकार के विरुद्ध बोलने की मनाही हो गयी थी । प्रदर्शन और जन सभाओं पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया था । प्रदर्शनकारियों पर अन्धाधुन लाठियां बरसाईं जाती थी । जयप्रकाश जी के सर पर भी लाठियों से प्रहार किया गया था । ये आपातकाल कई मायनो में **जलियाँवाला बाग** का आधुनिक स्वरुप दिखने लगा था । राजतंत्र के पंजे में लोकतंत्र कि गर्दन छटपटा रही थी । भारत की धरती बलिदानियों, वीरों और शहीदों कि धरती है, सरकार के ज़ेहन से ये बात उतर चूकि थी । सरकारी प्रताड़ना, दमन, जुल्म और भय की ठंढी लहर भी युवाओं के खून के उबाल को शांत नहीं कर सकी । लोगो के अधिकार के लिए उठी क्रांति की आंधी ने सरकार कि सारी निरंकुश व्यवस्था को तहस नहस करके रख दिया । देश में चुनाव हुए और तत्कालीन सरकार जनमत के आगे पराजित हुई ।

1974 की संपूर्ण क्रांति मानव के मूल अधिकार को सुरक्षित, संरक्षित और संवर्धित करने का सार्थक पहल था जो अपने वास्तविक उद्देश्य को साधने में बहुत हद तक सफल रहा । इस क्रांति से कई जन नायक उभर कर सामने आये जिन्होंने संतुलित और संयमित समाज की रूप रेखा को स्थापित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया । इस आन्दोलन से उभर कर आये बिहार के विकास पुरुष श्री नीतीश कुमार ने बिहार को भय, भूख और अपराध से मुक्त समाज दिया । महिलाओं एवं बालिकाओं के विकास के लिए लाभकारी योजनाओ को प्रोत्साहन दिया । सबसे बड़ी बात की सरकार ने शराबबंदी लागू कर राज्य के सभी परिवार को सामाजिक सुरक्षा प्रदान किया । वस्तुतः यह सारे कार्य मानव-अधिकार के पक्ष का चमकता हुआ सूर्य है, जिसके तेज़ से बिहार प्रकाशमय हो रहा है ।

एक मानवाधिकार कार्यकर्ता होने के नाते मै उन सभी लोगो के प्रति नतमस्तक हूँ जिनके अथक प्रयास से लोगों का जीवन सरल और सहज बन रहा है । बिहार के अभावग्रस्त परिवार के बच्चे हर क्षेत्र में आगे बढ़कर देश में अपना नाम रोशन कर रहे है । चाहे खान सर कि बात करे, सुपर 30, अवसर ट्रस्ट या अन्य गैर सरकारी संस्थान कि बात करे इनके मार्गदर्शन में राज्य के बच्चे देश की बड़ी से बड़ी प्रतियोगिता में सफल हो रहे है यह बड़ी बात है । इस तरह के कार्यों में यदि और अधिक लोग सामने आये तो आर्थिक आभाव किसी भी प्रतिभा को प्रभावित नहीं कर सकेगा । हम अपने समाज के बेहतर निर्माण के लिए कुछ न कुछ योगदान अवश्य करे । संपूर्ण क्रांति का एक महत्वपूर्ण संदेश यह भी था ।

मै परामर्श समिति के माननीय सदस्यों को सादर प्रणाम करता हूँ कि उनके मार्गदर्शन कार्य करने का सुखद संयोग मिला। आयोजन समिति के सभी साथियों के प्रति अथक सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

संदीप स्नेह

संयोजक / महासचिव

IHRU

मेरे सपनों का भारत

- **जयप्रकाश नारायण**

मेरे सपनों का भारत एक ऐगा समाज है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति, प्रत्येक साधन निर्बलों की सेवा में समर्पित है - एक ऐसा समाज, जो अंत्योदय को अर्थात् जो सबसे छोटे और दुर्बल हैं उनके कल्याण को समर्पित है।

वह ऐसा समाज है, जिसमें व्यक्ति की कद्र मनुष्य के नाते होती है- ऐसा समाज जिसमें प्रत्येक व्यक्ति के अपनी अंतरात्मा के अनुसार चलने के अधिकार को सब स्वीकारते और मान देते हैं।

वह ऐसा समाज है, जिसमें विभिन्न विचारधाराएँ शान्तिपूर्वक प्रतिस्पर्धा करती है, जिसमें मतभेद सुसभ्य रीति से सुलझाये जाते हैं- ऐसा समाज कि जिसमें सब बिरादर एक-दूसरे को राजी करते हैं, डंडा नहीं मारते

वह ऐसा समाज है, जिसमें सबके पास रोजगार है- रोजगार ऐसा, जिससे सम्मानपूर्वक गुजारा हो सके और जीवन की सार्थकता मिले। वह ऐसा समाज है, जिसमें प्रत्येक व्यक्ति को पर्याप्त मिलता है, जिससे बह अपनी सृजनात्मक क्षमताओं का अधिकतम विकास कर सके; जिसमें हाथों से श्रम करने वाला कारखाने या खेत की मालिकी में हिस्सेदार होता है और उसके प्रबन्ध में हाथ बंटाता है।

वह ऐसा समाज है, जिसमें सबको समान अवसर उपलब्ध हैं- ऐसा समाज कि जिसमें जो लोग बलवान और बहुसंख्यक है, वे निर्बलों और अल्पसंख्यकों की अड़चनों और अक्षमताओं को स्वयं अनुभव करते हैं और खुद ही आगे बढ़कर उन्हें विशेष सुविधाएँ दिलवाते हैं, ताकि उनकी मृद्दत से चली आ रही अड़चनें व असामानताएं दूर हों।

वह ऐसा समाज है, जिसमें तमाम संसाधन आम जनता की आवश्यकताओं की पूति में सबको पर्याप्त भोजन, वस्त्र, मकान और शुद्ध जल दिलवाने में- नियोजित है।

मेरे सपनों का भारत ऐसा समाज है, जिसमें प्रत्येक नागरिक समाज के मामलों में भाग लेता है। जिसमें प्रत्येक नागरिक उन मामलों को भी जो उसके प्रत्यक्ष या निजि हानि-लाभ से परे के हैं, अच्छी तरह समझता है और शरीक होता है। वह ऐसा समाज है, जिसमें सब नागरिक-विशेषतः निर्बल नागरिक इतने संगठित और प्रबुद्ध है कि सुधारों को लागू करवा सकें और अपने शासकों पर नजर रख सकें ।

वह ऐसा संमाज है, जिसमें अफसर और निर्वाचित प्रतिनिधिः जनता के सेवक हैं और यदि वे पथ-भ्रष्ट हो जाये तो उनसे जवाब-तलब करने का अधिकार और अवसर जनता को है जिसमें पद को विशेषाधिकार नहीं, बल्कि जनता की सौंपी हुई अमानत माना जाता है।

संक्षेप में, मेरी कल्पना का भारत स्वतंत्र, प्रगतिशील, गांधीवाद भारत है।



Freedom became one of the beacon lights of my life and it has remained so ever since... Above all it meant freedom of the human personality, freedom of the mind, freedom of the spirit. This freedom has become a passion of my life and I shall not see it compromised for food, for security, for prosperity, for the glory of the state or for anything else.

Jayaprakash Narayan

गुलाब चन्द कटारिया
राज्यपाल, असम

सत्यमेव जयते

राज भवन, गुवाहाटी
पिन-781 001



04 जून, 2024

संदेश

यह प्रसन्नता का विषय है कि संपूर्ण क्रांति के 50 वर्ष पूर्ण होने पर "इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स यूनियन" के तत्वावधान में आयोजन समिति द्वारा दिनांक 23 जून, 2024 को बिहार विधान परिषद् सभागार में "संपूर्ण क्रांति स्वर्ण जयंती समारोह" का आयोजन किया जा रहा है और इस पावन अवसर पर एक "स्मारिका" का प्रकाशन एवं विमोचन भी किया जाना निश्चित है।

भारत रत्न लोकनायक जय प्रकाश नारायण जी के मार्गदर्शन में देश भर में संपूर्ण क्रांति आरंभ हुई थी। इस क्रांति ने देश में लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना में अभूतपूर्व योगदान दिया। 5 जून, 1974 को पटना के गांधी मैदान में जे. पी. ने संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया था। मैदान में उपस्थित लाखों लोगों ने जात-पात, तिलक, दहेज और भेदभाव त्यागने का संकल्प लिया था। वह संपूर्ण क्रांति केवल एक राजनैतिक आंदोलन नहीं था, बल्कि इसके बहुआयामी दृष्टिकोण थे। संपूर्ण क्रांति राजनैतिक चेतना के साथ-साथ आर्थिक-सामाजिक प्रगति, सांस्कृतिक गौरव और मानव-समृद्धि से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण मुद्दों के निराकरण के लिए एक सशक्त प्रयास था।

पिछले 50 वर्षों में संपूर्ण क्रांति के सिद्धांतों ने समाज के हर क्षेत्र पर अपना प्रभाव डाला है। देश में अधिकारों की रक्षा और मानवीय मूल्यों के संरक्षण व संवर्धन में क्रांति के नायकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान समय में संपूर्ण क्रांति के आंदोलन के मूल्यों, सिद्धांतों को बचाए रखने के साथ सबका साथ, सबका विकास की अवधारणा पर कार्य करते हुए देश में आपसी प्रेम, सद्भाव और सौहार्द को स्थापित करने की आवश्यकता है।

मुझे विश्वास है कि आयोजन समिति द्वारा प्रकाशित होने वाली स्मारिका के माध्यम से संपूर्ण क्रांति के बहुआयामी दृष्टिकोण के साथ ही लोकनायक जय प्रकाश नारायण जी के व्यक्तित्व को भलीभांति रेखांकित किया जाएगा और वह पाठकों के लिए प्रेरक एवं उपयोगी सिद्ध होगी।

मैं संपूर्ण क्रांति स्वर्ण जयंती समारोह की सफलता की कामना करता हूँ और इस अवसर पर प्रकाशित होने वाली स्मारिका के सफल प्रकाशन हेतु अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ प्रदान करता हूँ। साथ ही, मैं आयोजन समिति के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को बधाई देता हूँ।

जय हिन्द !

(गुलाब चन्द कटारिया)

फोन : (0361) 2540500 (ऑफिस); फैक्स : (0361) 2731832 ; ई-मेल : rajbhavan-assam@gov.in

देवेश चन्द्र ठाकुर

बी.ए. (प्रतिष्ठा) फर्गुसन कॉलेज, पुणे
एल.एल.बी., (आई.एल.एस.), पुणे

सभापति
बिहार विधान परिषद्

पत्रांक.....

दिनांक 10/06/2024

शुभकामना-संदेश

यह प्रसन्नता की बात है कि भारत-रत्न जय प्रकाश नारायण जी के नेतृत्व में देश में लोकतांत्रिक मूल्य की पुनर्स्थापना के लिए आरंभ की गई "संपूर्ण क्रांति" के 50 वर्ष पूर्ण होने पर "इन्टरनेशनल ह्युमन राईट्स यूनियन" द्वारा "संपूर्ण क्रांति स्वर्ण जयन्ती समारोह" का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे कार्यक्रमों के द्वारा देश की युवा-पीढ़ी को उन समाजसेवियों और महान देशभक्तों के कृत्य से परिचित होने का अवसर प्राप्त होगा, जिन्होंने लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। आज के नौजवानों को प्रजातंत्र की महत्ता और उसमें उनकी सहभागिता तथा इस व्यवस्था में उनकी शक्ति का उन्हें एहसास कराने का यह एक सशक्त माध्यम है।

'समग्र क्रांति स्वर्ण जयन्ती समारोह' के आयोजन के पावन अवसर पर स्मारिका का प्रकाशन हर्ष का विषय है। मैं स्मारिका के प्रकाशन एवं समारोह के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएँ देता हूँ।

(देवेश चन्द्र ठाकुर)
10/6/24

आवास : 3, देशरत्न मार्ग, पटना-800001, फोन : 0612-2215819, 2215245 (का.), 2217203 (आ.)
मोबाईल : 94310 20000, 99344 45000, 9867998679, ई-मेल : chairman-blc@nic.in

नन्द किशोर यादव
अध्यक्ष
बिहार विधान सभा

सत्यमेव जयते

Nand Kishore Yadav
Speaker
Bihar Legislative Assembly

पत्रांक

दिनांक: 10/04/2024

(शुभकामना संदेश)

यह जानकर अति प्रसन्नता हुई कि सम्पूर्ण क्रांति के 50 वर्ष पूरे होने पर **'इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स यूनियन'** के तत्वावधान में आयोजन समिति द्वारा संपूर्ण क्रांति स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है और इस पुनीत अवसर पर स्मारिका का प्रकाशन और विमोचन किया जाएगा। वास्तव में यह आयोजन देश के लोकतात्रिक मूल्यों को पुनर्स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से युवा पीढ़ी लोकतंत्र के महत्व को बेहतर ढंग से समझ पायेगी। साथ ही, लोग उन शख्सियतों के बारे में जान पायेंगे, जिन्होंने लोकतंत्र की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

5 जून 1974 को पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में भारत रत्न लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने संपूर्ण क्रांति का आह्वान किया था। मैदान में उपस्थित लाखों लोगों ने जात–पात, तिलक, दहेज और भेद–भाव छोडने का संकल्प लिया था। नारा गूंजा था जात–पात तोड दो, तिलक–दहेज छोड दो। तब जे.पी ने कहा था सम्पूर्ण क्रांति से मेरा तात्पर्य समाज के सबसे अधिक दबे–कुचले व्यक्ति को सत्ता के शिखर पर देखना है। बिहार से उठी जे. पी के सम्पूर्ण क्रांति के नारे का असर पूरे देश में दिखा था।

इस महत्वपूर्ण मौके पर स्मारिका का प्रकाशन एवं विमोचन सुखद अनुभूति का अहसास कराता है। उम्मीद है कि स्मारिका में संकलित आलेख एव अन्य रचनाओं से युवा वर्ग को संपूर्ण क्रांति के संबंध में अपेक्षित जानकारी मिलेगी। स्मारिका के सफल प्रकाशन के लिए मंगलकामनाऐं। स्मारिका के संपादक एव पूरी संपादकीय टीम का अभिनंदन।

(नन्द किशोर यादव)

Address : 2, Neta Ji Marg (Strand Road), Patna-800 001
Phone No. : 0612-2217856, 2217082 (O), 0612-2215715 (R), Fax No. : 0612-2217373
E-mail : yadav_nandkishore@yahoo.co.in

गंगा प्रसाद
पूर्व राज्यपाल, मेघालय व सिक्किम
पूर्व सदस्य, बिहार विधान परिषद्
अध्यक्ष, दधीचि देहदान समिति, बिहार
संरक्षक, बिहार राज्य आर्य प्रतिनिधि सभा

आवास :
आर्य भवन, खाजपुरा
पीलर नं०-32, बेली रोड, पटना-800014
दूरभाष : 0612-2597614, मो०:9431016495

पत्रांक:.....

दिनांक: 15.06.2024

ओ३म्

शुभकामना संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि सम्पूर्ण क्रान्ति स्वर्ण जयंती समारोह के द्वारा सम्पूर्ण क्रान्ति दूत लोकनायक भारतरत्न जय प्रकाश नारायण जी की लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के संदर्भ में किया गया आन्दोलन सम्पूर्ण क्रान्ति आन्दोलन का पचास वर्ष पूर्ण होने पर स्वर्ण जयंती समारोह आयोजित किया जा रहा है। देश में मानव अधिकारों के प्रति समर्पित भाव एवं मानव नैतिक मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्द्धन के लिए सम्पूर्ण क्रान्ति आन्दोलन में कई नायकों ने काफी अहम भूमिका निभाकर सत्ता एवं व्यवस्था परिर्वतन के लिए सकारात्मक प्रयास किया जिसके फलस्वरूप आदर्श समाज की रूपरेखा तैयार किया जाना संभव हो सका है।

सम्पूर्ण क्रान्ति स्वर्ण जयंती समारोह अपने मूल उदेश्य के साथ आमजनों के हितों की रक्षा हेतु लाभकारी हो, यही मेरी अपेक्षा है। इस अवसर पर स्मारिका का प्रकाशन इस कार्यक्रम की भव्यता को परिलक्षित करता है। स्मारिका का सफल प्रकाशन एवं आयोजन की सफलता के साथ–साथ आयोजन से जुड़े सभी महानुभावों के प्रति मेरी शुभकामना है।

पुनः अनन्त शुभकामनाएं ।

गंगा प्रसाद

(गंगा प्रसाद)

सेवा में,

श्री संदीप स्नेह

संयोजक, सम्पूर्ण क्रान्ति स्वर्ण जयंती समारोह

32,डी ब्लॉक, कदमकुंआ, पटना ।

Scanned with OKEN Scanner

डॉ. आर. के. सिन्हा

पूर्व सांसद - राज्य सभा (2014-2020)

पूर्व सदस्य:

स्थायी समिति - गृह मंत्रालय व विदेश मंत्रालय
परामर्शदात्री समिति - श्रम एवं रोजगार मंत्रालय
आवास समिति व याचिका समिति - राज्य सभा
हिन्दी सलाहकार समिति - कानून एवं न्याय मंत्रालय
हिन्दी सलाहकार समिति - दूरसंचार मंत्रालय
हिन्दी सलाहकार समिति - महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
तम्बाकू बोर्ड - वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
राष्ट्रीय रेल उपभोक्ता सलाहकार परिषद
भारतीय वन्यजीव संस्थान

सत्यमेव जयते

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

Dr. R. K. SINHA

Ex. Member of Parliment - Rajya Sabha (2014-2020)

Ex. Member:

- Standing Committee on Home Affairs & External Affairs
- Consultative Committee on Labour & Employment
- House Committee - Rajya Saha • Committee on Petitions - Rajya Sabha
- Hindi Advisory Committee on Dept. of Law & Justice
- Hindi Advisory Committee on Dept. Telecommunication, MoC
- Hindi Advisory Committee on Ministry of Women & Child Development
- Tobacco Board on Ministry of Commerce & Industry
- National Rail Consumer Advisory Council • Indian Wildlife Institute

पत्रांक: Exmp/RS/05/24/20



दिनांक: 04/05/24

शुभकामना सन्देश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई कि सम्पूर्ण क्रांति के पचास वर्ष पूरे होने पर दिनांक 23 जून 2024 को बिहार विधान परिषद् सभागार में सम्पूर्ण क्रांति स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन किया जा रहा है और इस अवसर पर स्मारिका का प्रकाशन और विमोचन भी किया जाना है ।

सम्पूर्ण क्रांति लोक नायक जय प्रकाश नारायण जी के मार्गदर्शन में शुरू हुई थी और समूचे देश में लोकतान्त्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना के लिए आन्दोलन किया गया था । वर्तमान समय में सम्पूर्ण क्रांति आन्दोलन के मूल्यों, सिद्धांतों को बचाये रखने के साथ सबका साथ, सबका विकास की अवधारणा पर कार्य करते रहने की आवश्यकता है ।

मैं आयोजन समिति को बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि स्मारिका अपने उद्देश्य को पूरा करते हुए निरंतर प्रकाशित होती रहे ।

स्मारिका के सफल प्रकाशन एवं उज्जवल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ ।

भवदीय

रवीन्द्र सिन्हा

(डॉ आर0 के0 सिन्हा)

पूर्व सांसद, राज्यसभा

सेवा में,

श्री संदीप स्नेह

संयोजक, सम्पूर्ण क्रांति स्वर्ण जयंती समारोह

32, डी ब्लाक, कदमकुआँ, पटना-3

मो. 9667977987

दिल्ली : 141, नार्थ एवेन्यु रोड, नई दिल्ली-110001, मो.: +91-9013181285, +91-9999030690

पटना : अन्नपूर्णा भवन, अन्नपूर्णा पथ, कुर्जी, पटना-800010, मो.: +91-612-2266666, +91-612-2263949, +91-612-2273949, +91-612-3257528 फैक्स: +91-612-2263948

Delhi : 141, North Avenue, New Delhi - 110 001, Mob.: 91-9013181285, +91-9999030690

Patna : Annpurna Bhawan, Annpurna Path, Kurji, Patna - 800010, Mob.: +91-612-2266666, +91-612-2263949, +91-612-2273949, +91-612-3257528 Fax: +91-612-2263948

Email : rksinha@rksinha.com, rkishore.sinha@nic.in www.rksinha.com

आज़ादी का अमृत महोत्सव

अश्विनी कुमार चौबे
Ashwini Kumar Choubey

सत्यमेव जयते
आहारशुद्धौ सत्त्वशुद्धिः
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

राज्य मंत्री
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन
उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण
भारत सरकार
MINISTER OF STATE
ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE
CONSUMER AFFAIRS, FOOD & PUBLIC DISTRIBUTION
GOVERNMENT OF INDIA

दिनांक – 08.06.2024

संदेश

लोकतांत्रिक मूल्यों की पुर्नस्थापना के लिए भारत रत्न जयप्रकाश नारायण जी द्वारा 18 मार्च 1974 को शुरु किया गया छात्र आंदोलन 05 जून 1974 को संपूर्ण क्रांति में बदल गया जो देश में राजनैतिक चेतना के साथ-साथ सामाजिक प्रगति एवं सांस्कृतिक गौरव का अनूठा प्रयास था। इसने देश की दशा एवं दिशा दोनों में ऐतिहासिक परिवर्तन किया ।

जन समाज में हुई इस चेतना से भयभीत होकर तात्कालीन कांग्रेस सरकार ने 25 जून 1975 को देश में आपातकाल की घोषणा कर लोकतांत्रिक मूल्यों का गला घोंट दिया, सभी मौलिक अधिकार समाप्त कर लाखों लोगों को जेल यातना दी गयी। यह भारतीय लोकतंत्र में कलंक का दिन बना गया। लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण के लिए लोकनायक जयप्रकाश जी द्वारा शुरु किये गए जन आंदोलन का यह स्वर्ण जयंती वर्ष है। इस अवसर पर स्मारिका का प्रकाशन एवं विमोचन उस काल के भुक्त-भोगीयों की लोमहर्षक यातनाओं, घटनाओं का जीवन्त प्रलेख है।

यह स्मारिका न केवल उन जे पी सेनानियों की बीती घटनाओ का एक चलचित्र प्रस्तुत करेगी अपितु नव युवकों को यह प्रेरित भी करेगी कि शक्तिशाली सत्ता को जन आंदोलन से, जन सहयोग से उखाड़ फेंका जा सकता है और लोकतांत्रिक मूल्यों की स्थापना की जा सकती है।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामया:

(अश्विनी कुमार चौबे)

कार्यालय : 5वां तल, आकाश विंग, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, नई दिल्ली-110003, दूरभाष: 011-20819418, 011-20819421, फैक्स: 011-20819207, ई-मेल : mos.akc@gov.in
Office : 5th Floor, Aakash Wing, Indira Paryavaran Bhawan, Jor Bagh Road, New Delhi-110003, Tel.: 011-20819418, 011-20819421, Fax : 011-20819207, E-mail : mos.akc@gov.in
कार्यालय : कमरा नं.173, कृषि भवन, नई दिल्ली-110001, दूरभाष : 011-23380630, फैक्स: 011-23380632
Office : Room No. 173, Krishi Bhawan, New Delhi-110001, Tel. : 011-23380630, Fax : 011-23380632
निवास: 30, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रोड़, नई दिल्ली-110003, दूरभाष : 011-23794971, 23017049
Residence : 30, Dr. APJ Kalam Road, New Delhi-110003, Tel.: 011-23794971, 23017049

विजय कुमार सिन्हा
उप मुख्यमंत्री
बिहार

Vijay Kumar Sinha
Deputy Chief Minister
Bihar

पत्रांक 515 दिनांक 15-06-2024

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि संपूर्ण क्रांति के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में "इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स यूनियन" के तत्वावधान में दिनांक 23 जून, 2024 को बिहार विधान परिषद सभागार में संपूर्ण क्रांति स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन होने जा रहा है। इस अवसर पर संपूर्ण क्रांति से जुड़ी स्मारिका का प्रकाशन एवं विमोचन किया जाना भी निस्संदेह एक प्रशंसनीय पहल है।

संपूर्ण क्रांति महज एक राजनीतिक आंदोलन नहीं था, बल्कि यह लोकनायक जय प्रकाश नारायण के नेतृत्व में भारत और भारत के जनतंत्र को सच्चे अर्थों में कल्याणकारी बनाने का जनसंकल्प था। शायद इसीलिए यह महान जनान्दोलन राष्ट्रीय जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित करते हुए उसमें निर्णायक परिवर्तन का वाहक बना। समाज की सबसे पिछली पंक्ति में खड़े व्यक्ति को हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे अहम कड़ी के रूप में स्थापित करना संपूर्ण क्रांति की सबसे बड़ी देन है। यह आंदोलन हमारे लिए विशेष रूप से इसीलिए भी स्मरणीय है कि इसका शंखनाद लोकतंत्र की जन्मस्थली हमारे अपने बिहार से हुआ था।

संपूर्ण क्रांति के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित इस समारोह में स्मारिका का प्रकाशन और विमोचन विशेष रूप से सराहनीय है। मुझे पूरा विश्वास है कि इसके माध्यम से हमारी वर्तमान और भावी पीढ़ी भारतीय इतिहास के इस महान अध्याय से भलीभांति परिचित होते हुए राष्ट्र के लिए बेहतर करने की प्रेरणा ले सकेगी।

सस्नेह,

(विजय कुमार सिन्हा)

कार्यालय : विश्वेश्वरैया भवन, बेली रोड, पटना-800015 Office- Vishweshwaraiya Bhawan, Bailey Road, Patna-800015
दूरभाष : 0612-2547115 (का0), फैक्स : 2547942 (का0). Phone : 0612-2547115 (O), Fax: 2547942 (O)

सम्राट चौधरी
उप मुख्यमंत्री
बिहार

बिहार सरकार

Samrat Choudhary
Deputy Chief Minister
Bihar

पत्रांक : 366/वित्त

दिनांक : 14-06-2024

शुभकामना संदेश

यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि सम्पूर्ण क्रांति के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में **'सम्पूर्ण क्रान्ति स्वर्ण जयंती समारोह'** का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर स्मारिका का प्रकाशन एवं विमोचन भी किया जायेगा।

सम्पूर्ण क्राति का जयघोष लोकनायक जयप्रकाश नारायण जी के नेतृत्व में लोकतंत्र के मूल्यों को पुनर्स्थापित करने के लिए किया गया था, जो तत्कालीन सरकार की दमनकारी नीति के विरोध में था। सरकार लोकहित की उपेक्षा कर निरंकुश तरीके से अराजकता का माहौल देश में कायम करना चाह रही थी। ऐसी स्थिति में भारतीय गणतत्र के मूल्यों एव आदर्शों को चोटिल कर रही थी। सरकार की इन्हीं निरकुश नीतियों के खिलाफ सारा देश इसके विरोध में एकजुट हो गया और सरकार के खिलाफ हल्ला बोल दिया।

अपने विरोध में उमड़े हुए विशाल जन सैलाब को नेस्तनाबूद करने के लिए सरकार ने **आपातकाल** लगा दिया। सभी प्रकार के विरोध प्रदर्शन और जन–सभाओं को प्रतिबंधित कर दिया गया। लोगों पर लाठियाँ गोलियाँ बरसाई गई, मगर लोकतत्र के सिपाहियों ने अपने मजबूत इरादों के साथ अपना विरोध जारी रखा।

इसका परिणाम ये हुआ कि तत्कालीन सरकार अगले चुनाव में हार गई और जनता पार्टी की नई सरकार बनी। यह सब अटूट जन आस्था और लोक चेतना का सुखद परिणाम रहा। देश में लोकतत्र के मूल्य को पुनर्स्थापित किया गया।

मैं इस आयोजन की सफलता और प्रकाशित होने वाली स्मारिका के लिए शुभकामना देता हूँ और आयोजन से जुड़े सभी लोगों के उज्ज्वल भविष्य की कामना भी करता हूँ।

(सम्राट चौधरी)

कार्यालय : मुख्य सचिवालय, बिहार, पटना-800015
दूरभाष : 0612-2217894 (का०), 0612-2217639 (फैक्स)
मो० : 9431114448 / ईमेल : dycmbiharsamrat@gmail.com

श्रवण कुमार
شروَن کمار

मंत्री
ग्रामीण विकास विभाग
बिहार सरकार

पत्रांक.....

दिनांक 23/05/2024

शुभकामना संदेश

यह बड़े हर्ष का विषय है कि दिनांक–05 जून, 2024 को पूरे देश में सम्पूर्ण क्रांति के 50 वर्ष पूरा होने के अवसर पर सम्पूर्ण क्रांति स्वर्ण जयंती मनाया जा रहा है । सम्पूर्ण क्रांति जयप्रकाश नारायण जी के विचार व नारा था जिसका आह्वान उन्होंने कांग्रेस की सत्ता को उखाड़ फेकने के लिए किया था । **लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने कहा कि सम्पूर्ण क्रांति में सात क्रांतियां शामिल है– राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, बौद्धिक, शैक्षणिक वं आध्यत्मिक क्रांति** । इन सातो क्रांतियों को मिलाकर ही सम्पूर्ण क्रांति है । 05 जून, 1974 को पटना के ऐतिहासिक गाँधी मैदान में उपस्थित लाखो लोगों के समक्ष लोकनायक बाबू ने सम्पूर्ण क्रांति का आह्वान करते हुए जात–पात, दहेज और भेदभाव छोड़ने का संकल्प दिलाते हुए **"जात–पात तोड़ दो । समाज के प्रवाह को नई दिशा में मोड़ दो ।"** इस क्रांति को सफल बनाने में देश के लाखों छात्रों का विशेष योगदान रहा है ।

बिहार छात्र आंदोलन का चौथा चरण 07 जून, 1974 को लोकनायक जयप्रकाश के इस आह्वान के साथ प्रारंभ हुआ था कि हमें सम्पूर्ण क्रांति चाहिए, इससे कम नहीं । "विधान सभा भंग करो" के स्थान पर विधान सभा भंग करेंगे के नारे के साथ अंहिसक एवं शान्तिपूर्ण ढंग से सत्याग्रह, धरना आदि का कार्यक्रम चला । सम्पूर्ण क्रांति के कारण कांग्रेस को सत्ता से बेदखल होना पड़ा एवं पिछले पचास वर्षो में समाज के हर क्षेत्र में आंदोलन ने अपना प्रभाव छोड़ा है ।

सम्पूर्ण क्रांति स्वर्ण जयंती समारोह का मुख्य उद्देश्य है कि भावी पीढ़ी को सम्पूर्ण क्रांति के मुख्य सिद्धांत से अवगत कराना एवं अपने जीवन में बताये गये सिद्धांत को अपनाकर देशहित में कार्य करने हेतु प्रेरित करना है ।

सम्पूर्ण क्रांति स्वर्ण जयंती के अवसर पर **23 जून, 2024** को बिहार विधान परिषद सभागार में **सम्पूर्ण क्रांति स्वर्ण जयंती समारोह** का सफल आयोजन एवं प्रकाशित होने वाली **स्मारिका** के सफल प्रकाशन की सुमंगल कामना करता हूँ ।

(श्रवण कुमार)

कार्यालय - मुख्य सचिवालय, पटना-800015, आवास : 12ए, बेली रोड, पटना-800015
दूरभाष/फैक्स : 0612-2205331 (का॰), 2215472 (आ॰), मोबाईल : 9471006315
ई-मेल : sharwankumarmla@ gmail.com

सुनील कुमार
मंत्री
शिक्षा विभाग
बिहार, सरकार

बिहार सरकार

कार्यालय : कमरा सं०-43,
विकास भवन, पटना-15
दूरभाष सं० : 0612-2204904 (का०)
फैक्स : 0612-2215836
आवास : 26/A, हार्डिंग रोड, पटना
0612-2215771 (आवास)

पत्रांक : M-259 दिनांक : 14/06/2024

शुभकामना संदेश

सम्पूर्ण क्राति लोक चेतना का महापर्व था, जो लोकतात्रिक मूल्यों को स्थापित करने का स्वतत्र भारत में पहला प्रयास था। इस आन्दोलन का प्रादुर्भाव छात्र हित कल्याण के अलोक में हुआ था जो बाद में व्यापक जन आन्दोलन के रूप में परिवर्तित हो गया।

सम्पूर्ण क्राति के माध्यम से आम जनता की सामाजिक सुरक्षा, संरक्षण और सवर्धन के लिए देश के तमाम पढ़े लिखे बुद्धिजीवी, अभिजात्य वर्ग, कवि, साहित्यकार, लेखक, पत्रकार, संस्कृति कर्मी, रंगकर्मी, डॉक्टर, वकील, छात्रनेता सक्रिय होकर तत्कालीन सरकार की दमनकारी नीतियों के खिलाफ जोरदार रूप से विरोध प्रदर्शन करने लगे थे।
आदरणीय जयप्रकाश नारायण जी के नेतृत्व में 1974 ई0 में चलाये गए इस आन्दोलन को समाप्त करने के लिए देश में तत्कालीन सरकार के द्वारा आपातकाल की घोषणा कर दी गई थी। "आपातकाल" सरकार की निरंकुशता एवं दमनकारी नीतियों का ज्वलत उदाहरण था जिसमें देश के लोगो के मानव मूल्य को तहस–नहस कर के निरंकुश सत्ता को सबके मानस पटल पैर थोप देना था।

यह आपातकाल निरंकुश सरकार की दमनकारी नीति का काला हिस्सा था जो भारत की लोकतांत्रिक संस्कृति पर हमला था और भारत कि आत्मा को चोट पहुँचाने का कुकृत्य।

आपातकाल के खिलाफ समूचे देश ने एकजुट होकर लोक आस्था के प्रति सकारात्मक चेतना को पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया। इसके खिलाफ लोगो ने बढ़–चढ कर हिस्सा लिया और बलिदान भी दिया था। मानव के अधिकार और आवाज को दबाने के षडयंत्र के खिलाफ सम्पूर्ण क्रांति एक सशक्त संदेश है।

आमजन को उनके मौलिक अधिकारों से वंचित करने वाली व्यवस्था के खिलाफ सम्पूर्ण क्राति एव संजीवनी थी जिसने आनेवाले काल में समाज के कल्याणकारी स्वरूप को अधिक प्रभावी रूप में स्थापित किया। आशा करता हूँ कि आने वाली भावी पीढ़ी इस क्राति से प्रेरणा लेकर भयमुक्त सकारात्मक समाज के स्वरूप को अक्षुण रखेगी।

सम्पूर्ण क्रांति स्वर्ण जयती समारोह के आयोजन की सफलता के लिए मैं अशेष मंगलाकामना देता हूँ और आयोजकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

(सुनील कुमार)

मंगल पाण्डेय
मंत्री
स्वास्थ्य एवं कृषि विभाग
बिहार, पटना

बिहार सरकार

Mangal Pandey
Minister
Health & Agriculture Department
Bihar, Patna

पत्रांक 352/आर

दिनांक 14.06.2024



"शुभकामना संदेश"

यह जानकर अति प्रसन्नता हुई की समिति द्वारा दिनांक 23 जून 2024 को बिहार विधान परिषद सभागार में "संपूर्ण क्रांति स्वर्ण जयंती" समारोह का आयोजन होने जा रहा है। लोकनायक "भारत रत्न" जयप्रकाश नारायण जी के मार्गदर्शन से देश में लोकतांत्रिक मूल्यों का पुनर्स्थापन हुआ। इस क्रांति ने देश की दशा और दिशा में ऐतिहासिक परिवर्तन लाया और जनमानस की विशाल सहभागिता के द्वारा आदर्श समाज के परिकल्पना को पुनर्स्थापित किया।

अतएव इस आयोजन समिति को "संपूर्ण क्रांति स्वर्ण जयंती" समारोह की सफलता और स्मारिका के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(मंगल पाण्डेय)

कार्यालय : विकास भवन, प्रथम तल, बेली रोड, पटना - 800015, दूरभाष : 0612-2215330, फैक्स नं. : 0612-2215603, मो. : 09470034488
आवास : 04 टेलर रोड, पटना - 800001, दूरभाष : 0612-2234455, 2217050, फैक्स नं. : 0612-2204456
ई-मेल : mpbjp72@gmail.com

नितिन नवीन
मंत्री
नगर विकास एवं आवास तथा
विधि विभाग, बिहार, पटना

बिहार सरकार

Nitin Nabin
Minister
Urban Development & Housing and
Law Department, Bihar, Patna

पत्रांक .....

दिनांक 07-06-2024.

शुभकामना संदेश

प्रिय संदीप स्नेह,

आपका आमंत्रण पत्र प्राप्त हुआ। यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई कि सम्पूर्ण क्रांति के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर सम्पूर्ण क्रांति स्वर्ण जयंती समारोह का आयोजन एवं स्मारिका का प्रकाशन और विमोचन किया जा रहा है। पिछले पचास वर्ष में सम्पूर्ण क्रांति के सिद्धांतों ने समाज के हर क्षेत्र पर अपना प्रभाव डाला है। देश के अधिकार की रक्षा और मानव मूल्यों के संरक्षण और संवर्धन के क्रांति नायकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भावी पीढ़ी को सम्पूर्ण क्रांति आंदोलन के सिद्धांतो से परिचित करवाना और सबका साथ सबका विकास की अवधारणा पर कार्य करते हुए देश में आपसी प्रेम सद्भाव और सौहार्द को स्थापित किया है।

सम्पूर्ण क्रांति स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर प्रकाशित व विमोचन किये जाने वाली **'स्मारिका'** एवं आयोजनकर्ताओं को मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ तथा इस आयोजन की सफलता हेतु मेरी ओर से मंगलकामना।

नितिन नवीन

(नितिन नवीन)

कार्यालय : विकास भवन, बेली रोड, पटना-800015 Office-Vikas Bhawan, Bailey Road, Patna-800015
मुख्य सचिवालय, पटना-800001, Main Secretariat, Patna-800001
दूरभाष : 0612-2233099 (नगर विकास), 2211374 (विधि), Phone : 0612-2233099 (Urban), 2211374 (Law)

प्रो० (डा.) नवल किशोर यादव
सदस्य
सह अध्यक्ष
प्रश्न एवं ध्यानाकर्षक समिति,
बिहार विधान परिषद्

दूरभाष : 2237420 कार्यालय
: 2288366 आवासीय
फैक्स : 2215228
मोबाईल : 09431022685
ईमेल : nawalkishoryadav0302@gmail.com
वेबसाईट : www.nawalkishoreyadav.com

पत्रांक :.....

दिनांक 13/06/2024

शुभकामना संदेश

भारत में लोकतांत्रिक समाज के स्वरुप को सही मायने में स्थापित करने का उत्कृष्ट प्रयास भारत रत्न जयप्रकाश नारायण जी के नेतृत्व में आयोजित सम्पूर्ण क्रांति के रूप में प्रारंभ हुआ था, जो कालांतर में अपने उद्देश्य में पूरी तरह से सफल हुआ। वर्षों से चली आ रही सामाजिक विभेद कि परंपरा आन्दोलन के दौरान टूट गयी थी. एक नये जनतांत्रिक व्यवस्था की परिकल्पना साकार होती दिख रही थी। संपूर्ण क्रांति में सभी भेदभाव को दरकिनार कर समाज के हाशिये पर रह रहे लोगो के कल्याण को प्रश्रय और प्रोत्साहन देने कि प्रक्रिया पर सम्पूर्ण रूप से ध्यान दिया गया। छात्र, गरीब, मजदूर, किसान, पिछड़े, दलित शोषित आदि वर्ग के उत्थान के लिए सत्ता पक्ष में बैठे लोग सोंचने को मजबूर होते देखे गए यह क्रांति की देंन थी।

तत्कालीन सरकार के द्वारा लागू **आपातकाल** समाज पर एक काला धब्बा साबित हुआ था जिसे जनमानस ने नकार दिया। 1974 ईस्वी में प्रारंभ हुई सम्पूर्ण क्रांति का उद्देश्य बहुत व्यापक था जिसने आमजन को अपनी बात कहने की आजादी दी। इस आन्दोलन में छात्र, किसान, मजदूर, लेखक, कवि, साहित्कार, पत्रकार, रंगकर्मी, संस्कृतिकर्मी, नेता, आदि लोगो ने लोकतंत्र की अस्मिता को सुरक्षित और संरक्षित रखने के लिए वृहत स्तर पर काम किया।

वर्तमान पीढ़ी को अपने संघर्ष याद रखने चाहिए और अपनी सांस्कृतिक गरिमा को कायम रखने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए, तभी देश में एकता और अखंडता बनी रहेगी।

"संपूर्ण क्रांति स्वर्ण जयंती समारोह" 2024 के सफल आयोजन और स्मारिका के प्रकाशन के लिए मै आयोजन मंडल को शुभकामना देता हूँ।

(नवल किशोर यादव)

जयप्रकाश

रामधारी सिंह दिनकर

झंझा सोई तूफान रूका, प्लावन जा रहा कगारों में;
जीवित है सब का तेज किन्तु, अब भी तेरे हुंकारों में।

दो दिन पर्वत का मूल हिला फिर उत्तर सिन्धु का ज्वार गया,
पर, सौंप देश के हाथों में वह एक नई तलवार गया।

'जय हो' भारत के नये खड्ग; जय तरूण देश के सेनानी!
जय नई आग! जय नई ज्योति! जय नये लक्ष्य के अभियानी

स्वागत है, आओ, काल-सर्प के फण पर चढ़ चलने वाले!
स्वागत है, आओ, हवनकुण्ड में कूद स्वयं जलने वाले!

मुट्ठी में लिये भविष्य देश का, वाणी में हुंकार लिये,
मन से उतार कर हाथों में निज स्वप्नों का संसार लिये।

सेनानी! करो प्रयाण अभय, भावी इतिहास तुम्हारा है;
ये नखत अमा के बुझते हैं, सारा आकाश तुम्हारा है।

जो कुछ था निर्गुण, निराकार तुम उस द्युति के आकार हुए,
पी कर जो आग पचा डाली, तुम स्वंय एक अंगार हुए।

साँसों का पा कर बेग देश की हवा तवी-सी ज्ञाती है,
गंगा के पानी में देखें, परछाई आग लगाती

विप्लव ने उँगला तुम्हें, महामणि उगले ज्यों नागिन कोई;
माता ने पाया तुम्हे यथा मणि पाये बड़भागिन कोई।

लौटे तुम रूपक वन स्वदेश की आग भरी कुरबानी का,
अब "जयप्रकाश" है नाम देश की आतुर, हठी जवानी का ।

कहते हैं उसको "जयपगकाश" जो नहीं मरण से डरता है,
ज्वाला को बुझते देख, कुण्ड में स्वयं कूद जो पड़ता है।

है "जयप्रकाश" वह जो न कभी सीमित रह सकता घेरे में,
अपनी मशाल जो जला बाँटता फिरता ज्योति अँधेरे में।



(Cont....)

है "जयप्रकाश" वह जो कि पंगु का चरण, मूक की भाषा है,
है "जयप्रकाश" वह टिकी हुई जिस पर स्वदेश की आशा है।

हाँ, "जयप्रकाश" है नाम समय की करवट का, अँगड़ाई का;
भूचाल, बवण्डर के ख्वाबों से भरी हुई तरूणाई का।

है "जयप्रकाश" वह नाम जिसे इतिहास समादर देता है,
बढ़ कर जिसके पद-चिन्हो को उर पर अंकित कर लेता है।

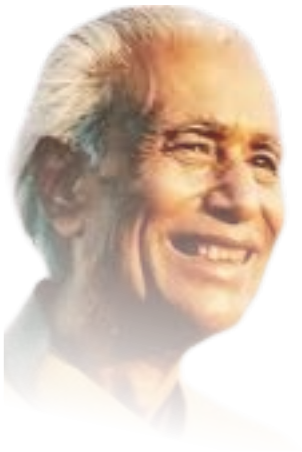
ज्ञानी करते जिसको प्रणाम, वलिदानी प्राण चढ़ाते हैं,
वाणी की अंग बढ़ाने को गायक जिसका गुण गाते हैं।

आते ही जिसका ध्यान, दीप्त हो प्रतिभा पंख लगाती हैं,
करूपना ज्वार से उद्वेलित मानस-तट पर थर्राती है।

वह सुनो, भविष्य पुकार रहा, "वह दलित देश का त्राता है,
स्वप्नों का द्रष्टा "जयप्रकाश" भारत का भाग्य-विधाता है।

*****





मुनादी

डॉ॰ धर्मवीर भारती

ख़लक खुदा का, मुलुक बाश्शा का
हुकुम शहर कोतवाल का...
हर ख़ासो–आम को आगह किया जाता है कि ख़बरदार रहें
और अपने अपने किवाड़ों को अंदर से कुंडी चढ़ा कर बंद कर लें
गिरा लें खिड़कियों के परदे और बच्चों को बाहर सड़क पर न भेजें
क्योंकि
एक बहत्तर बरस का बूढ़ा आदमी अपनी काँपती कमज़ोर आवाज में
सड़कों पर सच बोलता हुआ निकल पड़ा है!

बुड्ढे के पीछे दौड़ पड़ने वाले अहसान फ़रामोशो!
क्या तुम भूल गये कि
बाश्शा ने एक खूबसूरत महौल दिया है
जहाँ भूख से ही सही, दिन में तुम्हें तारे नज़र आते हैं
और फूटपाथों पर फ़रिश्तों के पंख रात–भर तुम पर छाँह किये रहते हैं?
तुम्हें इस बुद्ढे के पीछे दौड़ कर भला और क्या हासिल होने वाला है?

आखिर क्या दुशमनी है तुम्हारी उन लोगों से जो भले मानुसों की तरह
अपनी कुरसी पर चुपचाप बैठ–बैठे मुल्क की भलाई के लिये रात–रात जागते हैं
और गाँव की नाली की मरम्मत के लिये मास्को, न्यूयार्क, टोकियो,
लंदन की ख़ाक छानते फ़कीरों की तरह भटकते रहते हैं।

तोड़ दिये जाएंगे पैर और फोड़ दी जाएंगी आँखें अगर तुमने अपने पाँव चल कर महल–
सरा की चहार दीवारी फलाँग कर अंदर झाँकने की कोशिश की!

नासमझ बच्चों नें पटक दिये पोथियाँ और बस्ते फैंक दी है खड़िया और
स्लेट इस नामाकूल जादूगर के पीछे चूहों की तरह फदर–फरद
भागते चले आ रहे हैं। खबरदार यह सारा मुल्क तुम्हारा है पर जहाँ हो वहीं रहो
यह बग़ावत नहीं बरदाश्त की जायेगी कि तुम फासले तय करो और मंजिल तक पहुँचो।



कितने दिन ?

सत्यनारायण

जुल्म का चक्कर और तबाही कितने दिन ? कितने दिन ?
हम पर तुम पर सर्द सियाही कितने दिन ? कितने दिन ?

बीते बरस पचीस महज कुछ नारों में
सुविधा बंट गई सत्ता के सरदारों में
हम-तुम शामिल हुए फकत बेंकारों में
बोलो भइआ, सह मनचाही कितने दिन ?

अजब हाल है सबकुछ गोरखधंधा है
जनता की गर्दन शासन का फंदा है
कसती जाती फांस कि कातिल अंधा है
होश करो, यह हिटलरशाहि कितने दिन ?

बढ़ता जाता जोर मुनाफाखोरों का
कुछ आढ़त के, कुछ कुर्सी के चोरों का
उठो साथियो, उठा बवण्डर जोरों का
हम मेहनतकश अब कोताही कितने दिन ?

वे करते हैं हम भरते हैं ऐसा क्यों ?
वे जीते हैं, हम मरते हैं ऐसा क्यों ?
नहीं जानवर, हम चरते हैं ऐसा क्यों ?
सच कहने की कहो मनाही कितने दिन ?

बदलेगा अब तो यह आलम बदलेगा
बहुत गर्म है हवा कि मौसम बदलेगा
फिर हौवा बदलेगी आदम बदलेगा
यह गोली, बन्दुक, सिपाही, कितने दिन ?
कितने दिन ?

उठो कि वक्त आ गया है

सत्यनारायण

(आपातकाल की भूमिगत पत्रिका मुक्ति संग्राम से साभार)

क्यों नींद में गाफिल हो सुनो वक्त की पुकार
मिलती है मौत जिन्दगी में सिर्फ एक बार ।
तुम वह नहीं जो बुजदिलो की मौत यों मरे
तुम वह नहीं जो जालिमों के जुल्म से डरे
ऐ दोस्त कबल इसके जमाना, गिला करे
उठो कि वक्त आ गया है मेरे जांनिसार ।
वो तुम ही थे जो इन्कलाब लेके चले थे
आजाद आदमी का ख्वाब लेके चले थे
हर जोर-जुल्म का जवाब लेके चले थे
क्या सर्द पड़ गई है रगों में लहू की धार ?
यह खौफ जो तारी है महज एक वहम है
जो रहनुमा हैं मुल्क की यह उनका रहम है
अब सर से कफन बांध लो सवाल अहम है
जीना है अगर बढ़के करो मौत का दीदार ।
यह झूठ यह फरेब सरेआम कबतलक ?
यह जोर-जुल्म-सितम सुबहो-शाम कबतलक ?
बोलो तुम्हारे नाम पर इल्जाम कबतलक ?
कुछ होश करो, बोलना है जुर्म में शुभार !
यह अपना वतन है नहीं जागीर किसीकी
जम्हूरियत पर दाग है तस्वीर किसीकी
संभलो कि कहर ढा रही तदवीर किसकी
जिन्दा कौम करती नहीं इतना इन्तजार ।

सौजन्य से अजित यादव





क्या हुआ आपको ?

नागार्जुन

क्या हुआ आपको ? क्या हुआ आपको ?
सत्ता की मस्ती में भूल गई बाप को ?
इन्दु जी, इन्दु जी, क्या हुआ आपको ?
बेटे को तार दिया, बोर दिया बाप को !

क्या हुआ आपको ? क्या हुआ आपको ?
आपकी चाल-ढाल देख देख लोग हैं दंग
हकूमती नशे का वाह-वाह कैसा चढ़ा रंग
सच-सच बताओ भी क्या हुआ आपको
यों भला भूल गई बाप को !
छात्रों के लहू का चस्का लगा आपको काले चिकने माल का मस्का लगा आपको
किसी ने टोका तो ठस्का लगा आपको
अन्ट-शन्ट बक रही जनून में शासन का नशा घुला खून में
फूल से भी हल्का समझ लिया आपने हत्या के पाप को
इन्दु जी, क्या हुआ आपको
बेटे को तार दिया, बोर दिया बाप को !
बचपन में गांधी के पास रहीं तरुणाई में टैगोर के पास रहीं
अब क्यों उलट दिया 'संगत' की छाप को ?
क्या हुआ आपको, क्या हुआ आपको
बेटे को याद रखा, भूल गई बाप को इन्दु जी, इन्दु जी, इन्दु जी, इन्दु जी...

रानी महारानी आप नवाबों की नानी आप
नफ़ाख़ोर सेठों की अपनी सगी माई आप
काले बाज़ार की कीचड़ आप, काई आप
सुन रहीं गिन रहीं गिन रहीं सुन रहीं सुन रहीं सुन रहीं गिन रहीं गिन रहीं
हिटलर के घोड़े की एक-एक टाप को एक-एक टाप को, एक-एक टाप को सुन रहीं गिन रहीं
एक-एक टाप को हिटलर के घोड़े की, हिटलर के घोड़े की एक-एक टाप को...
छात्रों के खून का नशा चढ़ा आपको यही हुआ आपको यही हुआ आपको

– नुक्कड़ गीत –

हल्ला बोल

गोपी बल्लभ सहाय

जहाँ– जहाँ जुल्मों का गोल
बोल जवानों हल्ल बोल
हल्ला बोल हल्ला बोल !
नेताओं के चिकने चोल
काला चेहरा, उजला खोल
फुठे नारे, नकली ढोल
लम्बी कथनी, करनी गोल

खुलती जाती सबकी वोल ।
बोल जबानों हल्ला बोल ।

फेला कर मकड़े का झोल
खुद खाये सौ–सौ मुँह खोल
अजब देश का है भूगोल
ऊँची डंडी, नीचा तोल

मिले नही मिहनत का मोल
बोल जबानों हल्ला बोल ।

टूटेगा जुल्मों का गोल
फूटेगा हर नकली ढोल
नोंचों अब नकाब का खोल
पापी तख्त रहा है डोल

महाक्रान्ति कर उठी हिलोल
बोल जवानों हल्ला बोल ।
हल्ला बोल, हल्ला बोल !



सौजन्य से कमल नयन श्रीवास्तव

जला आदमी

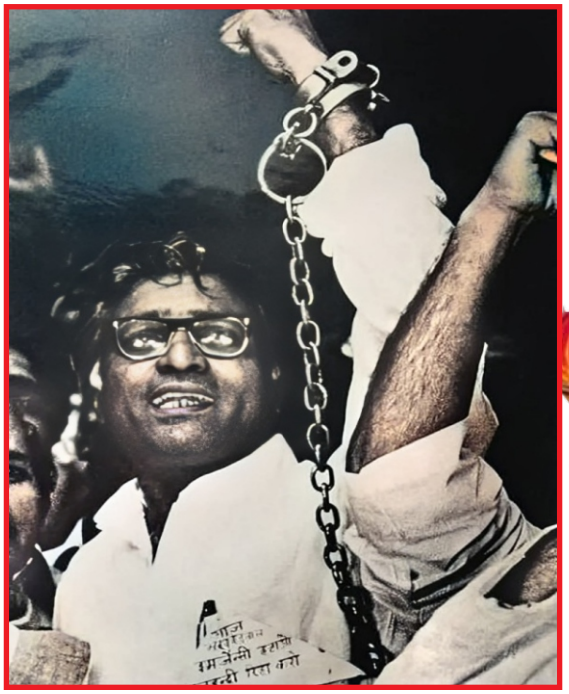


पद्मश्री डा॰ रवीन्द्र राजहंस

जहाँ की हवा में ढोंगजन, फरेवजन,
क्षूठजन आदि गैसें हैं वहीं सवाल
पूछता है एक जला आदमी अपने
नगर में कहाँ रहता है भला आदमी
भाग्य-विधायकों के फ्लैट में ?
जहाँ गंदी खादी में चिपटे कुछ
साफ लोग जहाँ साफ खादी में
चिपटे कुछ गंदे लोग
भोग रहे हैं राजयोग, हर फ्लैट
एक मांद, जहाँ सिंहों के लेंहड़े
तोंद वाले दधीचि साधुओं की
जमात जाल बिछाकर खैनी ठोंकने
वाले बहेलिए वहीं सवाल पूछता
है एक जला आदमी ? अपने
नगर में कहाँ रहता है भला आदमी ?
सचिवालय में ? जहाँ वे प्रतिभापुत्र हैं
जो मसूरी में ही गिरवी रख आते
अपनी मेधा अपनी अंतरात्मा और बन
जाते सरकारी सरकस के शेर वहीं
सवाल पूछता है एक जला आदमी
अपने नगर में कहाँ रहता है भला
आदमी सरकारी अस्पतालों में ? जहाँ रोगों
से अधिक जीवन-मुक्ति दिलाई जाती है
जहाँ पेशेवर दयालु लोग चीख-पुकार से
अप्रभावित रह जाते हैं जहाँ लोग भाग्य
से जीते हैं, भाग्य से मरते हैं, वहीं सवाल
पूछता है एक जला आदमी अपने नगर में
कहाँ रहता है भला आदमी ?

सरकारी विश्वकर्माओं के बीच जिनकी
पाचन-शक्ति बड़ी कड़ी है लोहे की छड़,
सीमेन्ट, ईट-पत्थर सब कुछ भस्म हो जाता
जिनकी अंतड़ियों के अन्दर
वहीं सवाल पूछता है
एक जला आदमी अपने नगर में कहाँ रहता
है भला आदमी
न्यायालय में ?
जहाँ अधिकतर गरीब निर्दोष फाँसी चढ़ते हैं
और धनी अपराधी छाती फुला अकड़ते हैं
जहाँ न्याय अब आँख खोलकर देखने लगा है
जिसके हाथ के तराजू का एक पलड़ा अब
डोलने लगा हैं वहीं सवाल पूछता है
एक जला आदमी
विद्यामंडियों में ?
जहाँ धुनाई हुई डिगरियों के थोक-विक्रेता
पढ़ा रहे होते तोते कभी-कभी सोचता हूँ
यदि छात्र सचमुच में पढ़ने वाले होते
तो पता नहीं इनके क्या होते
सबके हाथ में है बंसी
सबके हाथ में है चारा
किससे करूँ फरियाद
आदमी कोई साफ नजर नहीं आता
कल तक थे जो आग के पलीता
उन्हें जब थोड़ा-सा मिल गया सुभीता
फेंक आए अपनी रामायण, फेंक आए गीता
और बाँधने लगे अपने बाँस के जूते का फीता
सवाल पूछता है रूक-रूककर एक जला आदमी
अपने नगर में कहाँ रहता है भला आदमी
प्रश्न-गंध आम आदमी की नाभि से निकलती है
मगर, यह महक उस तक नही पहुँचती है ।

1974 आंदोलन की तस्वीर













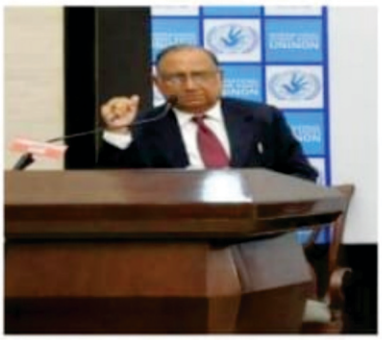
International Human Rights Day Celebration

December 2021, Constitution Club New Delhi



From L to R- Sh Sunil Deodhar National Secretary BJP, Hon'ble Justice Jessy Kurian, National Minority Commission, Hon'ble Justice Rajesh Tondon (R), Hon'ble MP LS Sh Pratap Chandra Sarangi , Sh Ramesh Negi, Ex Chief Secretary Arunachal Pradesh Chairperson Delhi Commission for Protection of Child Rights. Hon'ble Speaker Delhi Vidhan Sabha, Sh Ram Niwas Goyal



















REWARD AND RECOGNITION



Shri R K Sinha Honour with Desh Ratna Award For social contribution



Mrs Anamika Honoured with National Cultural heritage Award



Mrs Anupama Vadera Honoured Social Responsibility Excellence award



Mrs Vasundra Honoured Social Service Excellence Award



Cancer Care Foundation Honoured Social Service Excellence Award



Saksham Foundation Honoured Social Service Award



Mrs Kalpna Raghunathan Honoured for Contribution in Education



PERSON NGO Honoured with Social Service Promotion Award

News :- https://bbcvaishali.com/2022/12/11/special-program-organized-by-irhu-on-the-occasion-of-international-human-rights-day/, https://www.livenewsaaptak.com/2022/12/blog-post_73.html, https://biharnews18.in/?p=1684, https://livenews24x7.com/?p=41452, https://biharpatrika.in/special-program-organized-by-irhu-on-the-occasion-of-international-human-rights-day/, https://www.bharatpostlive.com/special-program-organized-by-irhu-on-the-occasion-of-international-human-rights-day/, https://www.samvadsanchar.com/photo/view/SmszV2E1MkJaaGlTbmFoaTN1RHhWUT09, https://abbiharnews.com/special-program-organized-by-irhu-on-the-occasion-of-international-human-rights-day/, https://newsani.in/special-program-organized-by-irhu-on-the-occasion-of-international-human-rights-day/, https://ibcglobalnews.com/?p=6356, https://khabretv.com/special-program-organized-by-irhu-on-the-occasion-of-international-human-rights-day/, https://khabre24.com/special-program-organized-by-irhu-on-the-occasion-of-international-human-rights-day/, https://www.livenewsaaptak.com/2022/12/blog-post_73.html,

International Women's Day 2023

Conference Hall, Bihar Legislative Council, Patna

04th March 2023















Inauguration of Women's Day : (L to R) Sh Sameer Kumar Maha Seth Hon'ble Minister of Industries , Govt of Bihar, Sh R K Sinha, Ex. MP RS., Sh. Satyanarayan, Chairman HPS Rajbhasha, Govt of Bihar, Smt Sita Sahu Mayor PMC Patna , Dr Shailza Sharma, IAS, Dr. Mamta Mehrotra, Social Activist .
Dr. Ratna Purkayastha, Ex Director Patna Doordarshan Govt of India, Prof Dr. Madhu Verma, Dr Bhawna Shekhar, Dr. Archana Tripathi, Dr. Namrata Anand, Sh P K Gupta, Sandeep Sneh, Gen Secretary IHRU are present

International Human Rights Union





Sh. Devesh Chandra Thakur, Hon'ble Chairman, Bihar Legislative Council (Bihar Vidhan Parishad), Patna



Sh. Ram Chandra Purve, Hon'ble Dy Speaker Bihar Legislative Council, Patna



Sh. Jitan Ram Manjhi, Hon'ble Chief Minister, (Ex), Bihar



Smt. Sita Sahu, Hon'ble Mayor, PMC, Patna



Sh. Ashwini Kumar Choubey, Hon'ble Minister of State Govt. of India



Smt. Sangeeta Sharma, CGM, LIC of India Guest Speaker



Dr Ratna Purkayastha, Ex Director Patna Doordarshan Govt of India



Smt. Vidya Bharti, Chairperson, District Council, Buxar



Sh. Kulbhushan Sharma, General



Dr Shailaza Sharma, IAS, Honoured



Dr Meha Kantha, Honoured with Pride

AKASA FINANCE

Formerly known as Pooja Finelease Ltd



A better future in easy installments

A better future in easy installments

Akasa Finance Limited. is a Non-Banking Finance Company. It is one of the India's leading Non-Banking Finance Companies spread across 4 States pan-India. Akasa Finance Ltd. is providing various loans like utility vehicles, unsecured Business & Personal loans, two-three wheelers loan and E-Rickshaw loans, etc.

Since its inception in January 1995, up to this day, Akasa Finance have been providing financial services to various clients and their financial needs.

Akasa Finance provider of monetary service across client and wholesale businesses, with aspirations to grow into a big monetary conglomerate.

PLOT NO - 56, 6C, C Block,
Phase 2, C Block, Sector 62, Noida,
Phone: +91-11-4500 8000
Email: care@akasafin.com
https://akasafin.com









International Office :
27, Old Gloucester Street London,
United Kingdom, WC 1N 3AX
Head Office India:
55, Community Centre,
East of Kailash, New Delhi-110065

Tel. Fax : +91-11-41433339
Contact : +91 9667977987, 9971679857
Email : ihruglobal@gmail.com,
ihruorg@gmail.com
Web : www.ihruorg.com

ShriG
Printed by
9811253409